1.2.26_1.09.25 Final.qxd 31-01-2026 22:37 Page 1

1 फरवरी2026

रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

चौसा-बक्सर मार्ग पर भीषण हादसा : डंपर-टेम्पो की आमने-सामने भिड़ंत में एक की मौत, छह जख्मी

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध **आपकी आवाज** ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

अजित के निधन के चौथे दिन पत्नी सुनेत्रा बनीं उपमुख्यमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार शनिवार को महाराष्ट्र की पहली महिला डिप्टी सीएम बन गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने लोकभवन में सुनेत्रा को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 12 मिनट तक चला। शरद पवार इस समारोह में नहीं पहुंचे। इससे पहले दिन में ठउढ विधायक दल और विधान परिषद सदस्यों की विधान भवन में बैठक बुलाई गई थी, जिसमें सुनेत्रा को पार्टी नेता चुना गया था। डिप्टी उट की शपथ से पहले सुनेत्रा ने राज्यसभा के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया। सुनेत्रा को राज्य उत्पादन शुल्क, खेल एवं युवा कल्याण और अल्पसंख्यक विकास/औकाफ विभाग दिए गए हैं। वहीं सीएम देवेंद्र फडणवीस ने वित्त विभाग अपने ही पास रखा है। अजित पवार की तीन दिन पहले 28 जनवरी को बारामती में प्लेन क्रैश में मौत के बाद डिप्टी उट पद खाली हो गया था। शपथ के बाद उन्होंने पर लिखा- इस मुश्किल समय में महाराष्ट्र के लोगों का प्यार और सपोर्ट ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आपके भरोसे के साथ, मैं दादा के आदर्शों को जिंदा रखते हुए नई उम्मीद के साथ आगे बढ़ूंगी।सुनेत्रा पवार शपथ के बाद पर लिखा- आदरणीय अजीत दादा ने अपनी पूरी ज़िंदगी किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और पिछड़े लोगों को जीवन का एक मार्गदर्शक सिद्धांत दिया। आज, 'शिव-शाहू-फुले-अंबेडकर' के आदर्शों के प्रति समर्पित रहते हुए और उनके विचारों की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, कर्तव्य की भावना के साथ डिप्टी चीफ मिनिस्टर की जिम्मेदारी लेते हुए, मेरा दिल सच में बहुत खुश है। उन्होंने लिखा- हालांकि दादा के असमय जाने से मेरे मन पर दुख का पहाड़ आ गया है, लेकिन उन्होंने मुझे जो कर्तव्य की भावना, संघर्ष की ताकत और लोगों के प्रति समर्पण सिखाया, वह मेरा सच्चा सहारा है। मैं उनके सपनों का न्यायपूर्ण, समान और विकसित महाराष्ट्र बनाने के लिए पूरी ईमानदारी से काम करती रहूंगी।पीएम ने पर लिखा, सुनेत्रा पवार जी को महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू करने पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। वह इस जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे विश्वास है कि वह राज्य के लोगों की भलाई के लिए काम करेंगी और स्वर्गीय अजित दादा के विजन को पूरा करेंगी।

500 करोड़ के घोटाले में तीन गिरफ्तार

एजेंसी। नई दिल्ली

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक दंपति और उनके सहयोगी को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर महाराष्ट्र भर के 11,000 से अधिक निवेशकों, जिनमें पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं, से 500 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की है। एक अधिकारी ने बताया कि समन्वित कार्रवाई में, ठाणे पुलिस की ईओडब्ल्यू ने गुरुवार को पड़ोसी राज्य गुजरात में आरोपी समीर नरवेकर, उसकी पत्नी नेहा और उनके सहयोगी अमित पलाव का पता लगाया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने 2019 में पुणे में मुख्यालय वाली एक निवेश कंपनी, ट्रेड विद जैज की स्थापना की, जिसमें एक ऐसी योजना पेश की गई थी, जिसने कथित तौर पर महाराष्ट्र भर से 1,500 पुलिसकर्मियों सहित 11,000 से अधिक लोगों को आकर्षित किया। अधिकारी ने बताया कि तीनों ने कथित तौर पर शेयर बाजार में कारोबार और संबंधित उद्यमों पर 4 प्रतिशत मासिक रिटर्न का वादा करके पीड़ितों को लुभाया, और कहा कि फर्म ने विश्वसनीयता बनाने के लिए लगभग 10 प्रतिशत मासिक कमाई का अनुमान लगाया था।उन्होंने कहा कि कंपनी ने अचानक अपने कार्यालय बंद कर दिए और निवेशकों को जवाब देना बंद कर दिया, जिसके कारण पुलिस में शिकायतों की बाढ़ आ गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, निवेशकों से लगभग 500 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई है। अधिकारी ने कहा कि ईओडब्ल्यू ने ऐसी जानकारी भी जुटाई है जिससे पता चलता है कि कई सरकारी अधिकारियों और नौकरशाहों, जिनमें से कुछ सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके हैं, ने इस योजना में निवेश किया था।

बंगाल में अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को दिया मंत्र,कहा

50% से अधिक वोट शेयर के साथ बनाएंगे सरकार

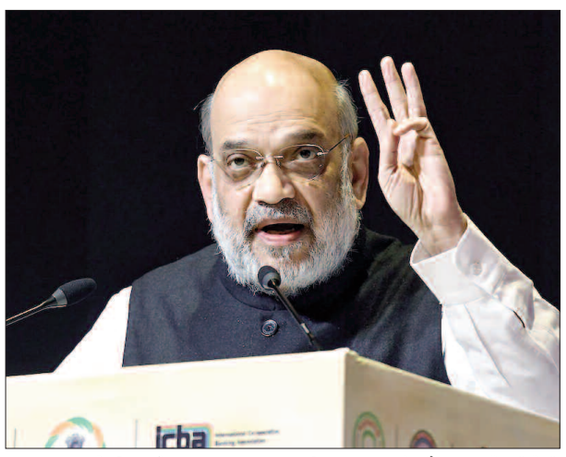

एजेंसी। कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला. शाह ने कोलकाता के पास आनंदपुर में हाल ही में हुई आग की घटना को ह्लसिर्फ हादसा नहीं, बल्कि तृणमूल सरकार के भ्रष्टाचार का नतीजाह्व बताया. उन्होंने कहा कि बंगाल में अवैध गतिविधियों, घुसपैठियों को संरक्षण और वोटबैंक की राजनीति ने कानूनव्यवस्था को कमजोर कर दिया है. अमित शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने संसद में वंदे मातरम् पर चर्चा का विरोध सिर्फ इसलिए किया क्योंकि वह घुसपैठियों को खुश रखना चाहती है. उन्होंने दावा किया कि ह्लवंदे मातरम् पर चर्चा का विरोध करना बंगाल की अस्मिता का विरोध है और तृणमूल कांग्रेस लगातार ऐसी राजनीति कर रही है जो राज्य की पहचान को चोट पहुंचाती है. शाह ने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार घुसपैठियों को पनाह देती है और यही वजह है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बंगाल की जनता उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा देगी. उन्होंने दावा किया कि बीजेपी को अगले चुनाव में 50% से ज्यादा वोट और भारी बहुमत मिलेगा. गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्टाचार में डूबी हुई है. उनका कहना था कि अगर ममता बनर्जी सच में भ्रष्टाचार से लड़ने को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें ह्लअपने दागी मंत्रियों को टिकट देने से पहले दो बार सोचना चाहिएह्व. शाह ने यह भी दोहराया कि ममता चाहें जितना विरोध करें, लेकिन एसआईआर (संशोधित सुरक्षा पहचान प्रक्रिया) लागू होगी और घुसपैठियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया जारी रहेगी.50% से अधिक वोट शेयर के साथ बनाएंगे सरकार, बंगाल में अमित शाह ने कार्यकर्ताओं को दिया मंत्र, ममता पर बोला हमलाअमित शाह ने बैरकपुर में कहा कि आनंदपुर की आग की घटना एसआईआर सरकार के भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का नतीजा है, साथ ही गृहमंत्री ने ममता सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया.

भारतीय तटरक्षक बल आज मनाएगा अपना 50वां स्थापना दिवस, भारतीय समुद्री सुरक्षा के लिए मजबूत ढाल

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय तटरक्षक बल 1 फरवरी 2026 को अपना 50वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। इसकी स्थापना 1977 में की गई थी। आज ये ईकाई 155 जहाजों और 80 विमानों वाली एक मजबूत समुद्री शक्ति के रूप में काम कर रही है। स्थापना दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम को आयोजन भी किया जाएगा। 1 फरवरी, 1977 को समुद्री चुनौतियों का सामना करने और भारत के बढ़ते समुद्री हितों की रक्षा के लिए इसकी स्थापना हुई थी। अधिकारियों ने बताया तटरक्षक बल को केवल सात सरफेस प्लेटफॉर्म के साथ शुरू किया गया था। आज 155 जहाजों और 80 विमानों के साथ मजबूत बल बन चुका है।भारतीय तटरक्षक बल ने 2030 तक इस संख्या को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। जिसमें जहाजों का संख्या 200 और विमनों का संख्या 100 की जानी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया संस्थाना के बाद से बल ने 11,800 से अधिक लोगों की जान बचाई है। तटरक्षक बल को समुद्री कानून प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज और बचाव, समुद्री पर्यावरण संरक्षण और मानवीय सहायता का काम सौंपा गया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना के साथ समन्वय से लेकर लक्षद्वीप में साहसी बचाव अभियानों और हाल के महीनों में केरल तट से तीन प्रमुख समुद्री घटनाओं को मजबूती से संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तटरक्षक बल में महिलाओं को भी समान अवसर दिया जाता है।

1.2.26_1.09.25 Final.qxd 31-01-2026 22:37 Page 2

स्टेशन रोड के मरम्मत की सुस्ती पर फूटा गुस्सा समाजवादी विचार मंच ने निकाला आक्रोश मार्च

- **पांच किलोमीटर की सड़क, चार महीने की ठप, डुमरांव में सड़क नहीं, सिस्टम की नाकामी बनी जनता की सजा**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल के पुराना भोजपुर से मां डुमरेजनी प्रवेश द्वार तक प्रस्तावित सड़क निर्माण अब सिर्फ एक विकास परियोजना नहीं, बल्कि सरकारी लापरवाही और ठेकेदारी तंत्र की बदहाली का प्रतीक बन चुकी है। करीब पांच किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण कार्य चार महीने से ठप पड़ा है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात से त्रस्त होकर शनिवार को समाजवादी विचार मंच के बैनर तले लोगों का

गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा और आक्रोश मार्च निकाला गया।

मार्च के बाद कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार को ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण में अनियमितता, लापरवाही और जवाबदेही के अभाव का कड़ा विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रदीप शरण ने की। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सड़क निर्माण के लिए करीब 1 करोड़ 38 लाख रुपये की राशि स्वीकृत है और सितंबर में कार्य शुरू भी हो चुका था, तो फिर महीनों बाद भी सड़क जस की तस क्यों है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दो बार ट्रैफिक डायवर्ट कर मुख्य सड़क को बंद कर दिया गया, लेकिन निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ा। नतीजा यह हुआ कि जगह-जगह गड्ढे, उड़ती धूल और कीचड़ ने इस मार्ग को जानलेवा बना दिया है। स्कूली बच्चे रोज गिरते-पड़ते स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं, मरीजों को अस्पताल ले जाना जोखिम भरा हो गया है और बुजुर्गों के लिए सड़क पार करना किसी परीक्षा से कम नहीं।

सड़क किनारे बसे दुकानदारों और व्यापारियों की स्थिति भी बदतर है। ग्राहक आना बंद हो गए हैं और रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि संवेदक और संबंधित विभाग की मिलीभगत से काम जानबूझकर लटकाया जा रहा है।

समाजवादी विचार मंच ने स्पष्ट मांग की कि लापरवाही बरतने वाले संवेदक पर तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए, उसे काली सूची में डाला जाए और सड़क निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए। मंच ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक व उग्र रूप दिया जाएगा।

आक्रोश मार्च में संतोष मुखिया, नागेंद्र मोहन सिंह, संदीप राय, दिनेश यादव, हरेकृष्ण सिंह, अजय सिंह, हरेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और कार्यकर्ता शामिल रहे।

श्री सद्गुरुदेव पुण्य स्मृति महोत्सव के पहले दिन उमड़ा आस्था का सागर

केटी न्यूज/बक्सर

श्री हनुमत धाम मंदिर, कमरपुर का पावन प्रांगण शनिवार को भक्ति, श्रद्धा और उल्लास से सराबोर नजर आया, जब पूज्य श्री श्री 108 श्री अनंत श्री संपन्न श्री समलंकृत सियानुज श्री नारायण दास ह्यभक्तमालीह्न महाराज (मामा जी महाराज) के 18वें पुण्य स्मृति महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया।

कथा व्यास ने बताया गुरु भक्ति का महत्व

अयोध्या धाम से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित विजय नारायण शरण जी ने पहले दिन की कथा का शुभारंभ करते हुए श्रीराम कथा की दिव्य महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने अपने ओजस्वी वचनों में पूज्य मामा जी महाराज एवं श्री महात्मा जी (श्री रामचरित्र दास जी महाराज) के त्यागमय जीवन, साधना और गुरु-शिष्य परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कथा व्यास ने कहा कि ह्यगुरु केवल मार्गदर्शक नहीं, बल्कि अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाने वाले प्रकाश स्तंभ होते हैं। गुरु की कृपा से ही मानव जीवन सार्थक होता है।

हनुमान चालीसा पाठ से गूंजा मंदिर परिसर

महोत्सव के पहले दिन सामूहिक हनुमान चालीसा के सस्वर अखंड पाठ का आयोजन किया गया। जैसे ही श्रद्धालुओं ने एक स्वर में ह्यजय श्री रामह्न और ह्यजय बजरंगबलीह्न के उद्घोष लगाए, पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से गूंज उठा। भजन-कीर्तन और जयकारों के बीच श्रद्धालु भावविभोर होकर गुरु चरणों में नतमस्तक होते दिखे।

4 फरवरी तक चलेगा पुण्य स्मृति महोत्सव

आयोजन समिति श्री नेहनिधि नारायण सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि यह पुण्य स्मृति महोत्सव आगामी 4 फरवरी तक निरंतर चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन प्रवचन, भजन-कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

महोत्सव को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों, श्रद्धालुओं और समिति के सभी सदस्य पूरे उत्साह और समर्पण के साथ जुटे हुए हैं।

प्रथम दिन की भव्यता और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि गुरु भक्ति की यह परंपरा आने वाले दिनों में और भी विराट रूप लेगी।

चौसा-बक्सर मार्ग पर भीषण हादसा : डंपर-टेम्पो की आमने-सामने भिड़ंत में एक की मौत, छह जख्मी

- **मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवा घाट के समीप हुआ हादसा, जख्मियों में दो की हालत बनी हुई है नाजुक**

केटी न्यूज/चौसा

चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे का गवाह बना, जब तेज रफ्तार डंपर ने एक टेम्पो को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवा घाट के पास हुए इस हादसे में टेम्पो सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद टेम्पो सड़क पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी यात्री इधर-उधर गिर पड़े। चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा। शनिवार की सुबह अचानक मौसम में आए बदलाव और घनी धुंध के कारण सड़क पर दृश्यता बेहद कम हो गई थी। इसी बीच तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने टेम्पो को अपनी चपेट में ले लिया।

मिली जानकारी के मुताबिक चौसा निवासी गिरिजा चौधरी के 30 वर्षीय पुत्र संजय चौधरी, उनकी 50 वर्षीय मां जिरिया देवी और 35 वर्षीय पवन चौधरी टेम्पो से सब्जी मंडी जा रहे थे। रास्ते में बक्सर जाने के लिए 35 वर्षीय सलीम राइन, 55 वर्षीय हलीम राइन और 55 वर्षीय बुटु चौधरी भी उसी टेम्पो में सवार हो गए। जैसे ही टेम्पो महादेवा घाट से आगे भैया-बहिनी नारा के पास पहुंचा, सामने से आ रहे डंपर ने उसे सीधी टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में जुट गए। सूचना मिलते ही पूर्व जिला पार्षद डॉ. मनोज सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तत्काल चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाने में सहयोग किया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां से जिरिया देवी, सलीम राइन और हलीम राइन की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर भेज दिया।

वाराणसी ले जाने के दौरान रास्ते में ही सलीम राइन ने दम तोड़ दिया, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं अन्य दो घायलों का इलाज ट्रामा सेंटर में जारी है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर डंपर और टेम्पो को जब्त कर लिया है तथा हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और धुंध को दुर्घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है। यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा और खराब मौसम में वाहन चालकों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

एक नजर

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026: उच्च शिक्षा में भेदभाव के खिलाफ डुमरांव की सड़कों पर छात्र-युवा

डुमरांव । उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता और समावेश को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू किए गए यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन, 2026 को सख्ती से लागू करने की मांग को लेकर डुमरांव में इंकलाबी नौजवान सभा और छात्र संगठन आइसा के बैनर तले जोरदार मार्च निकाला गया। यह मार्च डुमरांव थाना परिसर से शुरू होकर शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरते हुए गढ़ चौक पहुंचा, जहां एक जनसभा का आयोजन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए डुमरांव के पूर्व विधायक एवं इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार सिंह ने कहा कि यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त संस्थागत भेदभाव को स्वीकार करने और उसे खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जाति, वर्ग और सामाजिक पहचान के आधार पर होने वाले भेदभाव के अनेक मामले सामने आते रहे हैं, जिन्हें लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया।

डॉ. सिंह ने यूजीसी के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि बीते वर्षों में उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में भारी वृद्धि हुई है, जो यह दर्शाता है कि पुराने दिशा-निर्देश प्रभावी साबित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि नए इक्विटी रेगुलेशन प्रशासनिक जवाबदेही तय करने, शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और पीड़ित छात्रों को सुरक्षा देने का अवसर प्रदान करते हैं।

सभा में वक्ताओं ने यह भी कहा कि इन नियमों में ओबीसी छात्रों को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाना सामाजिक न्याय की दिशा में अहम उपलब्धि है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ वर्ग इन नियमों का विरोध ह्यमेरिटह्न के नाम पर कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि समान अवसर सुनिश्चित किए बिना मेरिट की बात अधूरी है।

वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि समानता कोई विशेष सुविधा नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है और इसे लागू करने की जिम्मेदारी सरकार एवं शैक्षणिक संस्थानों की है। कार्यक्रम में इनौस के जिला संयोजक राजदेव सिंह, धर्मेंद्र सिंह यादव, बीरन यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल हुए। सभा के अंत में यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 को देशभर के सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में अनिवार्य और पारदर्शी ढंग से लागू करने की मांग दोहराई गई।

रामपुर में मनरेगा योजना में फर्जी हाजिरी का खुलासा विभागीय पोर्टल पर फोटो अपलोड में गड़बड़ी का आरोप

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत फर्जी उपस्थिति दर्ज करने का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार एक के बाद एक योजनाओं में अनियमितता सामने आ रही है। ताजा मामला प्रखंड के रामपुर गांव स्थित ग्राम पंचायत रामपुर से अनुमोदित एक योजना से जुड़ा हुआ है, जहां मजदूरों की उपस्थिति दर्ज करने में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगा है।मामला ग्राम पंचायत रामपुर के ग्राम कुलमनपुर में छोटकी मोरी से कुलमनपुर पइन तक कराहा खुदाई कार्य से संबंधित है। इस योजना का वर्क कोड 20611339 है। योजना के तहत कुल चार मास्टर रोल निकाले गए हैं, जिनमें 38 जॉब कार्डधारी मजदूरों को कार्य के लिए चयनित किया गया है। जानकारी के अनुसार मास्टर रोल संख्या 2212 में कुल 10 मजदूरों का चयन किया गया था, जिसमें 7 पुरुष और 3 महिला मजदूर शामिल हैं। लेकिन विभागीय पोर्टल पर अपलोड की गई उपस्थिति और तस्वीरों में भारी विसंगति पाई गई है। पोर्टल पर मास्टर रोल संख्या 2212 में 3 महिलाओं के स्थान पर 4 महिलाओं और 7 पुरुषों के स्थान पर 6 पुरुषों की फोटो अपलोड की गई है।हैरानी की बात यह है कि भौतिक मास्टर रोल में स्पष्ट रूप से 7 पुरुष और 3 महिला मजदूरों की ही उपस्थिति दर्ज है, जबकि ऑनलाइन पोर्टल पर एक पुरुष मजदूर के स्थान पर महिला मजदूर की तस्वीर लगाकर फर्जी उपस्थिति दर्शाई गई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उपस्थिति दर्ज करने और फोटो अपलोड करने की प्रक्रिया में जानबूझकर हेराफेरी की गई है।

बेलगाम रफ्तार का कहर : लकड़ी चुनने निकले 10 साल के कल्लू की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत, चालक फरार

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाना क्षेत्र एक बार फिर सड़क सुरक्षा की बदहाली और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ गया। गजरांवा मोड़ के पास शनिवार को एक बेलगाम ट्रैक्टर ने 10 वर्षीय मासूम को रौंद डाला, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा नहीं, बल्कि रफ्तार और नियमों की अनदेखी से उपजा एक दर्दनाक सच है, जिसने एक गरीब परिवार की आखिरी उम्मीद भी छीन ली। मृतक की पहचान आरा जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के सुहियां गांव निवासी कल्लू डोम (10 वर्ष) के रूप में हुई है। बेहद गरीब परिवार से आने वाला कल्लू इन दिनों अपने नाना-नानी के साथ नया भोजपुर में रह रहा था।

परिजनों के अनुसार, वह घर में खाना बनाने के लिए लकड़ी चुनने गजरांवा मोड़ के पास गया था। उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया। मासूम को संभलने तक का मौका नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन समेत फरार हो गया, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से पूछताछ शुरू की है। कल्लू की मौत ने उसके नाना-नानी और परिजनों को पूरी तरह तोड़ दिया है। पहले से गरीबी से जूझ रहे इस परिवार के सामने अब आर्थिक संकट और गहरा गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गजरांवा मोड़ पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार पहले भी हादसों का कारण बन चुकी है, लेकिन प्रशासन ने कभी गंभीरता नहीं दिखाई। इस मामले में नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि फरार ट्रैक्टर चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और कानूनी कार्रवाई जारी है। वहीं ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा देने और दोषी चालक की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। यह हादसा प्रशासन के लिए चेतावनी है वरना बेलगाम रफ्तार यूं ही मासूमों की जिंदगी निगलती रहेगी।

शनिवासरीय जनता दरबार में सीओ से भिड़ा एक पक्ष, गंभीर हो गई थी स्थिति

- **नया भोजपुर जदीद की पुश्तैनी जमीन पर दावा-प्रतिदावा, सुनवाई के दौरान प्रभारी सीओ से तीखी नोकझोंक, निष्पक्षता पर उठे सवाल**

> एक पक्ष के तीन लोगों ने जमीन के दस्तावेज मांगे जाने पर हंगामा किया। वे लोग जानबूझकर सुनवाई में बाधा पहुंचा रहे थे तथा दूसरे पक्ष को मेरे सामने धमका रहे थे। तीनों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराएंगे।
>
> **कुमार दिनेश, प्रभारी सीओ, डुमरांव**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अंचल कार्यालय शनिवार को उस समय विवाद का केंद्र बन गया, जब नया भोजपुर जदीद स्थित 52 कट्ठा पुश्तैनी जमीन के स्वामित्व को लेकर चल रहे पुराने विवाद की सुनवाई अचानक हंगामे में बदल गई। जमीन के वारिसों के बीच वर्षों से चले आ रहे इस विवाद में अब प्रशासनिक कार्रवाई, प्राथमिकी की चेतावनी और निष्पक्षता पर सवाल जुड़ गए हैं।

मामला स्व. मोहम्मद हसन खान और उनके सगे भाई स्व. मोहम्मद अली हसन की पुश्तैनी संपत्ति से जुड़ा है। दोनों भाइयों के निधन के बाद जमीन का विवाद उनके वारिसों के बीच गहराता चला गया। शनिवार को नया भोजपुर थाना द्वारा जारी नोटिस के तहत अंचल कार्यालय में प्रभारी सीओ कुमार दिनेश की मौजूदगी में दोनों पक्षों की सुनवाई होनी थी। लेकिन सुनवाई शुरू होते ही माहौल तनावपूर्ण हो गया।

पहले पक्ष की ओर से स्व. मोहम्मद हसन खान की पत्नी रजिया खातून और उनकी सात पुत्रियां उपस्थित रहीं। उनका दावा है कि 52 कट्ठा जमीन में उन्हें कानूनी रूप से आधा हिस्सा यानी 26 कट्ठा मिलना चाहिए। रजिया खातून का कहना है कि ऑनलाइन राजस्व रिकॉर्ड में जमीन उनके नाम दर्ज है और उनके पास सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं। आरोप है कि विरोधी पक्ष जबरन पूरी जमीन पर पिलर गाड़कर कब्जा करना चाहता है और बेटियों के कानूनी अधिकारों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

वहीं, दूसरे पक्ष की ओर से स्वर्गीय मोहम्मद अली हसन के पुत्र शाहिद खान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया। उनका कहना है कि बंटवारे के दौरान पहले पक्ष को दूसरी जमीन दी गई थी, जिसे उन्होंने बाद में बेच दिया। शाहिद खान के अनुसार, फोरलेन के पास खाता संख्या 1314 और 1315 की जमीन पहले पक्ष के हिस्से में आई थी, और अब उसी जमीन को बेच देने के बाद वे 52 कट्ठा की इस जमीन पर दोबारा दावा कर रहे हैं। उनका दावा है कि विवादित जमीन पर शुरू से उनके परिवार का दखल रहा है।

विवाद उस समय और बढ़ गया, जब पिलर उखाड़ने को लेकर दोनों पक्षों में पहले से तनाव की बात सामने आई। यह मामला पहले ही नया भोजपुर थाना तक पहुंच चुका था। शनिवार की सुनवाई के दौरान प्रभारी सीओ का आरोप है कि दूसरे पक्ष के तीन युवक दस्तावेज मांगने पर प्रस्तुत नहीं कर पाए और एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे। सीओ के मुताबिक, इससे कार्यालय की कार्यप्रणाली बाधित हुई और सरकारी गरिमा को ठेस पहुंची, जिस कारण तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

हालांकि, दूसरे पक्ष के मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद दानिश ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्होंने न तो हंगामा किया और न ही किसी तरह की अभद्रता। उन्होंने अंचल कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई फुटेज से सामने आ जाएगी। उनका आरोप है कि उन्हें अंचल कार्यालय से निष्पक्ष न्याय नहीं मिल रहा, इसलिए वे अब इस मामले को लेकर जिलाधिकारी से मिलने की तैयारी कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर प्रशासनिक सुनवाई की पारदर्शिता और जमीनी विवादों के निष्पक्ष समाधान पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों पक्ष अपने-अपने दस्तावेजों और दावों को सही बता रहे हैं। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस विवाद में निष्पक्ष जांच कर वर्षों पुराने इस जमीन विवाद का कानूनी और न्यायसंगत समाधान कैसे निकालता है।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेलवानी मोड़, डुमरॉव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.N.B. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

1.2.26_1.09.25 Final.qxd 31-01-2026 22:37 Page 3

तियरा प्लस टू विद्यालय में शिक्षा-संस्कृति व खेल का संगम, संस्थापिका की स्मृति में मनाया गया प्रेरणादायी जन्मदिवस

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के तियरा प्लस टू उच्च विद्यालय में विद्यालय की संस्थापिका स्मृति शेष रघुवंशी कुंवरी का जन्मदिवस शिक्षा, संस्कृति और खेल के संदेश के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम ने ग्रामीण शिक्षा की जड़ों, वर्तमान उपलब्धियों और भविष्य की जरूरतों तीनों को एक मंच पर जोड़ा।

समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक राम अवतार शर्मा ने की, जबकि संचालन धनंजय कुमार एवं श्याम नारायण ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ब्रजेश राय ने आगत अतिथियों का अंगवस्त्र और फूलमालाओं से स्वागत करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल मैदान की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत रघुवंशी कुंवरी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्प अर्पण के साथ हुई। पूर्व मंत्री सह विधायक संतोष कुमार निराला ने विद्यालय परिसर में नवनिर्मित पुस्तकालय का उद्घाटन किया, जिससे विद्यार्थियों के अध्ययन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई गई। बालिका बैंड ने देशभक्ति धुनों से माहौल को राष्ट्रभाव से सराबोर कर दिया। मुख्य अतिथि संतोष कुमार निराला ने कहा कि रघुवंशी कुंवरी का योगदान इस क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। जिस दौर में ग्रामीण इलाकों में शिक्षा का अभाव था, उस समय उन्होंने भूमि दान कर ज्ञान की लौ जलाई। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के संघर्षों का स्मरण करते हुए कहा कि आज शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता उन्हीं विचारों की देन है। केंद्र व राज्य सरकार की पहलों से विद्यालयों में पढ़ाई के साथ संगीत और खेल को भी बढ़ावा मिल रहा है। विद्यालय की मांग पर उन्होंने बड़े खेल मैदान के निर्माण का आश्वासन दिया। अन्य वक्ताओं ने कहा कि रघुवंशी कुंवरी का कार्य समाज के लिए प्रेरक मॉडल है। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता में आए सुधार से विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर रहे हैं। छात्राओं ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति देकर समापन को यादगार बनाया। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षक संघ के विनोद चौबे, धनंजय पांडेय, मुखिया अनिल सिंह, सिद्धनाथ सिंह, मुनि चौबे, गजेंद्र प्रसाद, सिद्धनाथ साह डिग्री कॉलेज के निदेशक जितेन्द्र साह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

अपराध पर प्रशासन का कड़ा प्रहार अभियोजन की मासिक समीक्षा में सजा दर बढ़ाने पर जोर

- **जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में हुई बैठक, दिसंबर 2025 में सैकड़ों मामलों का निष्पादन, फरार अभियुक्तों पर सख्ती के निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में अभियोजन की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्वरित विचारण एवं सामान्य अभियोजन से जुड़े मामलों की गहन समीक्षा करते हुए दोषियों को समयबद्ध और कड़ी सजा दिलाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में त्वरित विचारण के अंतर्गत जगन्य अपराध से संबंधित 2 मामलों, शस्त्र अधिनियम के 2 मामलों तथा एनडीपीएस अधिनियम के 2 मामलों सहित कुल 6 वादों में सजा सुनिश्चित की गई। वहीं सामान्य अभियोजन के तहत दिसंबर माह में जघन्य अपराध के 19 मामले, शस्त्र अधिनियम के 48 मामले, पॉक्सो अधिनियम के 10 मामले, एससी-एसटी एक्ट का 1 मामला तथा उत्पाद अधिनियम के रिकॉर्ड 329 मामलों का निष्पादन किया गया, जिसे प्रशासन ने बड़ी उपलब्धि बताया।

समीक्षा के दौरान विशेष लोक अभियोजक (उत्पाद अधिनियम) अवधेश राय ने जिले के चर्चित मुरार थाना कांड संख्या 10/2022 का जिक्र करते हुए बताया कि इस मामले में सुनवाई पूरी हो चुकी है और निर्णय की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि त्वरित विचारण के अंतर्गत कुल 7 मामलों में अभियुक्तों के सजा के समय फरार हो जाने के कारण फैसला सुनाया नहीं जा सका है। न्यायालय द्वारा इन अभियुक्तों के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया जा चुका है और गिरफ्तारी होते ही सजा सुनाई जाएगी।

जिलाधिकारी साहिला ने बैठक में उपस्थित सभी अभियोजन पदाधिकारियों, लोक अभियोजकों एवं अपर लोक अभियोजकों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक माह अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन कर दोषी अभियुक्तों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इससे अपराधी प्रवृत्ति के लोगों में भय का माहौल बनेगा और समाज में कानून का संदेश मजबूती से जाएगा, जिससे आम नागरिक अमन-चैन के साथ जीवन व्यतीत कर सकेगा।

उन्होंने यह भी दोहराया कि जिला प्रशासन अभियोजन कार्य को सशक्त बनाने के लिए हर संभव सहयोग देने को प्रतिबद्ध है। साथ ही अभियोजन पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई कि वे पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक अभियुक्तों को सजा दिलाने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएं।

बैठक में पुलिस पदाधिकारियों, सिविल सर्जन बक्सर एवं अनुसंधानकताओं को निर्देश दिया गया कि गवाहों की गवाही और उनकी उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित की जाए, ताकि त्वरित विचारण के माध्यम से मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके। लोक अभियोजक एवं अभियोजन पदाधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक माह अपने स्तर पर अपर लोक अभियोजकों एवं सहायक अभियोजन पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर वादों के निष्पादन में तेजी लाएं।

इस महत्वपूर्ण बैठक में पुलिस अधीक्षक बक्सर, अपर समाहर्ता सह प्रभारी जिला विधि शाखा, जिला अभियोजन पदाधिकारी, सभी अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, पुलिस अभियोजन शाखा के प्रभारी, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि, लोक अभियोजक, सरकारी अधिवक्ता एवं सभी अपर लोक अभियोजक उपस्थित रहे। बैठक के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश गया कि बक्सर जिला प्रशासन अपराध और अपराधियों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

एक नजर

कृष्णाब्रह्म पुलिस ने शराब के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कृष्णाब्रह्म पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नोनियापुरा-सोवा सड़क पर की गई, जहां से पुलिस ने 30 टेट्रा पैकेट अवैध शराब बरामद की है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक बाइक को भी जब्त कर लिया गया है। थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो युवक बाइक से शराब की खेप लेकर नोनियापुरा की ओर जाने वाले हैं। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम ने रणनीति बनाकर सोवा स्थित बजरंगबली मंदिर के पश्चिम सड़क पर घेराबंदी कर वाहन जांच शुरू कर दी। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक को रोका गया। तलाशी लेने पर बाइक पर रखे कार्टून से 30 टेट्रा पैकेट शराब बरामद हुए। मौके से सोवा गांव निवासी रमेश कुमार यादव और विकास कुमार यादव को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद दोनों को थाना लाया गया, जहां उनके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को शनिवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि शराब तस्करी के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा।

40 साल का इंतजार खत्म होने की उम्मीद, सांसद ने मलई बराज का किया निरीक्षण, हजारों किसानों की बदलेगी तकदीर

नावानगर। दशकों से फाइलों, प्रशासनिक अड़चनों और तकनीकी खामियों में उलझी मलई बराज परियोजना अब आखिरकार धरातल पर साकार होने के करीब पहुंच गई है। बक्सर, भोजपुर और रोहतास जिले के किसानों के लिए जीवनदायिनी मानी जाने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जिला प्रशासन ने प्राथमिकता सूची में शामिल किया है। यदि कार्य तय योजना के अनुसार आगे बढ़ा, तो अक्टूबर 2027 से पहले क्षेत्र के हजारों हेक्टेयर खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचना शुरू हो जाएगा।इसी कड़ी में शनिवार को बक्सर सांसद सुधाकर सिंह ने निमार्णाधीन मलई बराज का स्थल निरीक्षण कर कार्य प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सांसद ने संबंधित कनीय अभियंता और निर्माण एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया कि कार्य में तेजी लाई जाए और गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि मलई बराज क्षेत्र के किसानों के लिए बेहद अहम परियोजना है और इसका लाभ जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचना चाहिए।मलई बराज का निर्माण काव नदी पर नावानगर प्रखंड के रूपसागर गांव के समीप किया जा रहा है। इस परियोजना पर लगभग 204.96 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है। परियोजना के पूर्ण होने पर करीब 8,630 हेक्टेयर, यानी लगभग 21 हजार एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा। इससे बक्सर जिले के नावानगर, केसठ, चौगाईं, डुमरांव और ब्रह्मपुर प्रखंड के अलावा भोजपुर जिले के शाहपुर और बिहीया प्रखंड के किसानों की कृषि व्यवस्था में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मलई बराज का निर्माण आधुनिक तकनीक के तहत किया जा रहा है। पंप प्रणाली के माध्यम से बराज में पानी छोड़ा जाएगा, जिससे कम जलस्तर की स्थिति में भी नहरों तक पानी पहुंचाया जा सकेगा।

मझरियां में शॉर्ट सर्किट ने मचाई तबाही : आधी रात को जल उठा मझरिया, 5 परिवार बेघर, तीन भैंस की मौत

केटी न्यूज/बक्सर

औद्योगिक थाना क्षेत्र के सदर प्रखंड अंतर्गत खूँटहा पंचायत के मझरिया गांव वार्ड नंबर-1 में शुक्रवार की देर रात एक भीषण अगलगी की घटना ने पूरे गांव को दहला दिया। रात करीब 11 बजे शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी ने देखते-ही-देखते आधा दर्जन भर झोपड़ी नुमा घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि लोग कुछ संभल पाते, उससे पहले ही पांच परिवारों का आशियाना पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

आग की लपटें और धुएं का गुबार आसमान तक उठने लगा। चीख-पुकार और अफरातफरी के बीच ग्रामीण जान बचाने में जुट गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो दमकल टीमें मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

इस दर्दनाक हादसे में तीन मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि किसान शिवजी यादव सहित अन्य लोग झुलसकर घायल हो गए। घायलों का स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया।

अगलगी कांड में ललन यादव, गणेश यादव, कमलेश यादव, बबन यादव और शिवजी यादव के घर पूरी तरह नष्ट हो गए। घरों में रखा सारा घरेलू सामान, करीब 70 हजार रुपये नकद, लगभग 60 क्विंटल धान और गेहूं समेत अन्य घरेलू अनाज जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवारों के सामने अब खाने-पीने और रहने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। पीड़ित परिवार प्रशासन से मुआवजे और तत्काल राहत की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते सहायता नहीं मिली, तो इन परिवारों का पुनर्वास बेहद मुश्किल हो जाएगा।

प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ता 9 एकड़ का ऐतिहासिक तालाब, पर्यावरण मंत्री से लगी गुहार

- **जल-जीवन-हरियाली योजना के बावजूद रघुनाथपुर का सरकारी तालाब अतिक्रमण और गंदगी में घिरा**

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

उच्च न्यायालय के निर्देश और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जल-जीवन-हरियाली योजना के तहत बिहार भर में आहर-पोखरों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे इतर है। रघुनाथपुर स्थित तुलसी आश्रम के समीप लगभग 9 एकड़ में फैला ऐतिहासिक सरकारी तालाब आज प्रशासनिक उदासीनता के कारण अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

अतिक्रमण, गंदगी और जलकुंभी की भरमार से तालाब का जल क्षेत्र लगातार सिमटता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंचल कार्यालय ब्रह्मपुर द्वारा कभी-कभार अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है, लेकिन संरक्षण, विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर कोई ठोस व दीर्घकालिक योजना अब तक नहीं बनाई गई है।

यह तालाब पहले नहर और आहर से जुड़ा हुआ था, जिससे बाढ़ के पानी का प्राकृतिक भंडारण होता था। बरसात के मौसम में यह तालाब लबालब भर जाता था और आसपास के किसान इसी जल से खेतों की सिंचाई करते थे। समय के साथ यह महत्वपूर्ण जलस्रोत उपेक्षा का शिकार होता चला गया और आज इसकी उपयोगिता लगभग समाप्त हो चुकी है।

तालाब के ठीक समीप स्थित तुलसी आश्रम का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व देशभर में प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहीं महर्षि गोस्वामी तुलसीदास ने तपस्या की थी और रामचरितमानस के अंशों की रचना की थी। यदि आश्रम के पास स्थित इस 9 एकड़ के तालाब को संरक्षित कर वेटलैंड के रूप में विकसित किया जाए, तो यह क्षेत्र एक आदर्श पर्यावरण-पर्यटन केंद्र बन सकता है।

पर्यावरण कार्यकर्ता शैलेश ओझा ने हाल ही में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रमोद कुमार चंद्रवंशी से मुलाकात कर तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने, चारों ओर वृक्षारोपण कराने और सौंदर्यीकरण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि तालाब के पुनर्जीवन से जल संरक्षण, जैव विविधता, पर्यटन और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस ओर कब ठोस कदम उठाता है।

आचार्य सम्मेलन 2026 : पंच प्राण से गढ़ी जाएगी नई पीढ़ी, शिक्षा से समाज निर्माण का संकल्प

- **सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली में तीन दिवसीय सम्मेलन शुरू, 300 से अधिक आचार्य-दीदी ले रहे भाग**

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उसे समाज निर्माण का माध्यम बनाने के उद्देश्य से सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली में शनिवार से तीन दिवसीय भोजपुर विभाग आचार्य सम्मेलन 2026 की शुरूआत हुई। यह सम्मेलन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के अंतर्गत भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जो 2 फरवरी तक चलेगा।

सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं विद्या भारती के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी सतीश चंद्र त्रिपाठी ने की, जबकि आभार ज्ञापन विद्यालय के सचिव डॉ. हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने किया। संचालन बांका के विभाग निरीक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद ने किया। अतिथियों का स्वागत एवं परिचय उप प्रधानाचार्य मनोरंजन कुमार ने कराया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार कुशवाहा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुरूप शिक्षण कार्य को आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने ह्यपंच प्राणह्ण की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के माध्यम से ही एक बेहतर, संस्कारवान और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने आदर्श आचार्य की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव रखने वाला मार्गदर्शक होता है।

सम्मेलन में आदर्श शिक्षण पद्धतियों, नवाचार आधारित शिक्षा और बच्चों में नवीन विषयों के प्रति रुचि विकसित करने पर विशेष चर्चा की जा रही है। विभाग प्रमुख लाल बाबू प्रसाद यादव ने प्रस्तावना रखते हुए बताया कि इस मंच पर विगत सत्र की गतिविधियों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी सत्र की योजनाओं पर मंथन किया जाएगा।

इस सम्मेलन में भोजपुर और बक्सर जिले के विभिन्न सरस्वती शिशु मंदिरों एवं विद्या मंदिरों से 300 से अधिक आचार्य एवं दीदी भाग ले रहे हैं। सत्रों के दौरान बालक विकास, आचार्य विकास, विद्यालय विकास और अभिभावक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

मौके पर भोला केसरी, उमाशंकर पोद्दार, सतीश कुमार सिंह, धरनी कांत पांडेय, परमेश्वर कुमार, गंगा चौधरी, संजीव कुमार, शैलेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, मनोज पांडेय, जैनेंद्र कुमार, विकास दूबे, नरेंद्र कुमार, अजीत दुबे, सुलेखा देवी सहित कई शिक्षाविद और समाजसेवी उपस्थित रहे।

चौसा का पहलवान बनेगा वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज का मजबूत सहारा, क्रोएशिया में भारतीय कुश्ती टीम की ताकत बनेंगे अविनाश

चौसा। बक्सर जिले के चौसा से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच तक अपनी पहचान बनाने वाले अविनाश पहलवान ने एक बार फिर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। भारतीय कुश्ती टीम के सपोर्टिंग स्टाफ में उनका चयन वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज (यूरोप महाद्वीप) के लिए किया गया है, जो 4 से 8 फरवरी तक क्रोएशिया में आयोजित होने जा रही है। यह प्रतियोगिता न केवल विश्व स्तरीय पहलवानों की मौजूदगी के लिए जानी जाती है, बल्कि ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप की तैयारी की दिशा में भी बेहद अहम मानी जाती है। अविनाश पहलवान वर्तमान में भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे हैं। खेल और अनुशासन का यह संगम ही उनकी सबसे बड़ी पहचान है। सेना में रहते हुए भी उन्होंने कुश्ती के प्रति अपने जुनून को कभी कम नहीं होने दिया। बतौर खिलाड़ी उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया और तीनों सेनाओं की संयुक्त कुश्ती टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए मैसेडोनिया, यूक्रेन, चीन जैसे देशों में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। अब अनुभव और तकनीकी समझ के साथ वे सपोर्टिंग स्टाफ की भूमिका में भारतीय टीम के लिए अहम जिम्मेदारी निभाएंगे। कुश्ती विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सपोर्टिंग स्टाफ की भूमिका बेहद निर्णायक होती है। खिलाड़ियों की फिटनेस, मानसिक मजबूती, अभ्यास सत्र और मुकाबलों के बीच संतुलन बनाए रखने में उनका योगदान सीधे प्रदर्शन पर असर डालता है। ऐसे में अविनाश जैसे अनुभवी पहलवान का टीम से जुड़ना भारतीय दल के लिए एक मजबूत पक्ष माना जा रहा है। अपने चयन पर अविनाश पहलवान ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह, बिहार कुश्ती संघ के अध्यक्ष विशाल सिंह, सचिव विनय सिंह (बक्सर) सहित संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह अवसर उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है और वे पूरी निष्ठा से टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए काम करेंगे।